ओ कान्हा ओ कृष्णा

ओ कान्हा ओ कृष्णा,
खो गए तुम न जाने कहा,
निर्मोही ओ कान्हा,
मैं अधूरी हु तुम बिन यहाँ,
बैरी तुम क्या जानो,
ये विरह की अगन कैसी है,
कैसी मैं समझों,
हर घडी एक युग जैसी है,

भूले क्यों सुध मेरी,
ये बता दे मैं जाऊं कहा ,
ओ कान्हा ओ कृष्णा,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8760/title/o-kanha-o-krishana-kho-gaye-tum-na-jaane-kaha

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |